रेलवे मन्त्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी हां। रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) 'इंडियन रेलवेज' नाम की एक मासिक पत्रिका प्रकाशित करता है।

(ख) मांग के अनुसार प्रति मास 1200 से 1500 के बीच प्रतियां छापने का आदेश दिया जाता है और ग्राहकों की संख्या 650 और 700 के बीच रहती है।

(ग)

मासिक खर्च 1967-68	मासिक आय 1967-68
12,796 रुपये (कर्मचारियों की लागत सहित)	8,721 रुपये

(घ) विज्ञापनों से औसतन मासिक आय 1967-68

8,209 रुपये

(ङ) और (च). पिछले 7 या 8 वर्षों में 'इंडियन रेलवेज' वित्तीय दृष्टि से आत्म-निर्भर रही है। केवल 1967-68 में प्रति मास लगभग 4,000 रुपये की हानि हुई थी। फिर भी, यह नहीं कहा जा सकता कि यह पत्रिका घाटे का सौदा है क्योंकि यह एक प्रचारात्मक पत्रिका है जिसके महत्व को केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं आंका जा सकता। 1967-68 में जो हानि हुई, उसका मुख्य कारण यह है कि कर्मचारियों के मंहगाई भत्ते में वृद्धि हो गयी और मुद्रण और कागज की लागत बढ़ गयी। इंजीनियरिंग उद्योग, जिससे इस पत्रिका को अधिकतर विज्ञापन मिलते हैं, में मंदी का भी इस पर प्रभाव पड़ा था क्योंकि विज्ञापनों से 1967-68 में लगभग 98,500 रुपये प्राप्त हुए जबकि 1966-67 में 1,25,000 रुपये प्राप्त हुए थे।

फुटवा रेलवे स्टेशन पर विश्राम कक्ष में अपर्याप्त सुविधायें

3517. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या **रेलवे मन्त्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पूर्वोत्तर रेलवे के फतुवा स्टेशन पर रात को बिजली की व्यवस्था न होने के कारण यात्रियों को प्लेटफार्म तथा विश्राम कक्ष आदि पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि गत कुछ महीनों से उक्त स्थान पर रेलवे गुमटी अर्द्ध-निर्मित पड़ी है और इसका निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है जिससे लोगों को कठिनाई हो रही है : और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इस बारे में कोई कार्यवाही करने का है ताकि यात्रियों की ये कठिनाइयां दूर हो सकें ?

रेलवे मन्त्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी नहीं। यह एक बिजलीयुक्त स्टेशन है और प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालय आदि में बिजली की रोशनी की व्यवस्था की गयी है।

(ख) फतुवा में कोई नया समपार नहीं बनाया जा रहा है। फतुवा स्टेशन के पश्चिमी छोर पर वर्तमान समपार की मौजूदा सड़क की केवल मरम्मत की जा रही है और आशा है कि यह काम शीघ्र पूरा हो जायेगा।

(ग) सवाल नहीं उठता।

गिरीडिह रेलवे स्टेशन

3518. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या **रेलवे मन्त्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पूर्व रेलवे पर गिरीडिह एक महत्वपूर्ण स्टेशन है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि रेलवे प्लेट-फार्म पर कोई शेड नहीं है जिसके परिणाम-स्वरूप यात्रियों को सब मौसमों में कठिनाई होती है ;

(ग) क्या सरकार का विचार वहां एक शेड की व्यवस्था करने का है ; और

(घ) यदि हां, तो कब और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मन्त्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी हां ।

(ख) जी हां ।

(ग) जी हां ।

(घ) एक शेड बनाने का काम हो रहा है और आशा है कि यह काम चालू वित्तीय वर्ष में पूरा हो जायेगा ।

कोटा रेलवे अस्पताल

3519. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोटा रेलवे अस्पताल में अल्प वेतन वाले कर्मचारियों के लिये अच्छी दवाइयों की कमी है ;

(ख) यदि हां, तो स्थानीय रूप से कितनी दवाइयां खरीदी गई ;

(ग) उन दवाइयों को किन किन दुकानों से खरीदा गया ;

(घ) क्या यह भी सच है कि बीना रेलवे लाइन पर चलने वाली चिकित्सा गाड़ी में दवाइयों के वितरण के बारे में कोई रजिस्टर नहीं बनाया हुआ है ;

(ङ) यदि हां, तो इनका हिसाब-किताब किन आधारों पर रखा हुआ है ; और

(च) दवाइयों का वितरण करने वाली रेलवे गाड़ी पर इस वर्ष कितनी धनराशि खर्च की गई ?

रेलवे मन्त्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता । स्थानीय खरीद केवल उसी समय की जाती है जब कोई विशेष दवाई स्टाक में खत्म हो गयी हो या स्टाक में रखी न गयी हो और जिसकी जरूरत किसी आपातिक अवसर के लिए पड़ गयी हो । स्थानीय खरीद खुले बाजार से की जाती है न कि किसी निश्चित दुकान से ।

(घ) और (ङ). चलते-फिरते चिकित्सा यान में अन्य स्वास्थ्य यूनिटों की भांति दवाइयों की प्राप्ति और निकासी के लिए दवाइयों का केवल एक रजिस्टर रखा जाता है । दवाइयों की फुटकर निकासी के लिए अलग से कोई रजिस्टर नहीं रखा जाता । यह सूचना केस टिकटों से मिल सकती है । इनके हिसाब का आधार दवाइयों का वही रजिस्टर है ।

(च) 1968-69 के चालू वर्ष में दवाइयों के लिए 4800 रुपये की बजट व्यवस्था है ।

कोटा रेलवे स्टेशन पर साइकिल स्टैंड

3520. **श्री ओंकार लाल बेरवा** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोटा रेलवे स्टेशन पर स्थित साइकिल स्टैण्ड ठेके पर दिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो ठेके की राशि कितनी है ;

(ग) किन-किन समाचारपत्रों में ठेके विज्ञापन दिये गये थे ; और

(घ) पुराने ठेके कब समाप्त हो जायेंगे और नये ठेके कब दिये जायेंगे ?

रेलवे मन्त्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी हां ।

(ख) वर्तमान ठेकेदार प्रतिवर्ष लाइसेंस फीस के 1805/-रुपये, उसके प्रभार के 36 रुपये और पानी के प्रभार के 18 रुपये देता है । लाइसेंस फीस की राशि ठेकेदार के टैंडर के अनुसार है ।

(ग) साधारणतः टैंडर नोटिस साप्ताहिक जनवाणी, कोटा, हिन्दुस्तान टाइम्स (अंग्रेजी), नई दिल्ली, हिन्दुस्तान टाइम्स (हिन्दी), नई दिल्ली और राष्ट्रदूत, जयपुर में विज्ञापित किया जाता है ।

(घ) वर्तमान ठेके की अवधि 30-9-1969